www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 307 || लखनऊ
मंगलवार
10 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:46
सूर्यास्तः 05:55
अधिकतमः 25°00
न्यूनतमः 11°00

» पेज 03

विशेष समाचार योगी जी का चाइनीज मांझे पर ताजा ... » पेज 02 | केजीएमयू परिसर की 5 मजारों ... » पेज 04 | सोनम कपूर ने बेबी शावर में फ्लॉन्ट ...

रिजिजू बोले-कोई कमिटमेंट नहीं, लोकसभा स्थगित, विपक्ष स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है

स्पीकर ने कमिट किया, क्या आप बोलने देंगे : राहुल गांधी

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। बजट सत्र के 9 वें दिन लोकसभा की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल पाई। विपक्ष सदन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि 1 घंटा पहले स्पीकर के पास हम गए, स्पीकर ने हमें कमिट किया कि मुझे बजट डिस्कशन से पहले बोलने दिए जाएगा, आप मुझे बोलने नहीं दे रही हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप मुझे बोलने देंगी या नहीं। 3 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो आसंदी (स्पीकर की चेयर) पर संध्या राय (भाजपा सांसद) बैठी थीं। राहुल की बात के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं भी स्पीकर के केबिन में मौजूद था। ऐसा कोई कमिटनमेंट नहीं किया गया। संध्या ने राहुल से कहा कि आपकी तरफ से किसी और मुद्दे के लिए कोई नोटिस नहीं आया है, बजट पर चर्चा करनी हो तो बताएं। इसके बाद विपक्ष ने हंगामा किया। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। वहीं, विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। न्यूज एजेंसी IANS ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। यह प्रस्ताव पेश करने के लिए कम से कम 50 सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। इसके लिए सदन में 14 दिन पहले लिखित नोटिस देना होता है। उन्होंने कहा कि यह झूठ फैलाया गया कि विपक्ष प्रधानमंत्री को धमकी दे रहा था। सच यह है कि प्रधानमंत्री सच से डरकर सदन नहीं आए।

>> (शेष पेज 04 पर)

कांग्रेस महिला सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को लेटर लिखा

लेटर में लिखा गया- हम यह पत्र बहुत दुख और संवैधानिक जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ लिख रहे हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप, लोकसभा के स्पीकर और इस सम्मानित सदन के संवैधानिक संरक्षक होने के नाते, सत्ताधारी पार्टी द्वारा विपक्ष की महिला सांसदों, खासकर इंडियन नेशनल कांग्रेस की महिला सांसदों के खिलाफ झूठे, बेबुनियाद और मानहानिकारक आरोप लगाने के लिए मजबूर किए गए हैं।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि देश के सामने बहुत गंभीर मुद्दे हैं - भारत-अमेरिका ट्रेड समझौते पर कथित जॉइंट स्टेटमेंट, अमेरिकी राष्ट्रपति का एग्जीक्यूटिव ऑर्डर, जिसमें कहा गया है कि हमने रूस से तेल न खरीदने का वादा किया है। इन सबका हमारी आजादी और विदेश और आर्थिक नीति पर रणनीतिक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सांसदों को सस्पेंड करने का भी मुद्दा है, और विपक्ष इन सभी मुद्दों को उठाना चाहता था, लेकिन ऐसा करने नहीं दिया गया।

किरेन रिजिजू ने कहा- मैं स्पीकर के केबिन में मौजूद था, स्पीकर पर आरोप लगाने की बात नहीं हुई

केरिन रिजिजू ने कहा कि मैं स्पीकर के केबिन मैं मौजूद था। हमारी वहां बात हुई थी कि स्पीकर पर आरोप लगाएंगे तो स्पीकर भी जवाब देंगे। दोनों पक्षों में संसद चलने को लेकर बात हुई थी। ये तय नहीं हुआ था कि केवल किसी मुद्दे पर चर्चा होगी।

सदन में हंगामा, राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा विपक्ष

संसद में विपक्ष का हंगामा जारी है, राहुल गांधी को बोलने देने की लगातार मांग की जा रही है। शशि थरूर को बोलने के लिए स्पीकर ने कहा लेकिन विपक्ष के सांसद राहुल गांधी को बोलने देने के लिए मांग कर रहे हैं। इसके लिए सदन में 14 दिन पहले लिखित नोटिस देना होता है।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया

- प्रस्ताव पेश करने के लिए 50 लोकसभा सदस्यों का समर्थन जरूरी
- 14 दिन पहले स्पीकर को लिखित नोटिस देना होता है
- स्पीकर पर लगे आरोप स्पष्ट और ठोस होने चाहिए
- प्रस्ताव स्वीकार होने पर सदन में चर्चा और वोटिंग होती है
- प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान स्पीकर सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते
- पास होने के लिए लोकसभा में मौजूद सदस्यों का बहुमत चाहिए
- प्रस्ताव पास हुआ तो लोकसभा अध्यक्ष को पद छोड़ना पड़ता है

राहुल बोले- सरकार बहस से डर रही है

राहुल गांधी ने कहा कि नरवणे की किताब के मुद्दे पर सरकार ने उन्हें बार-बार बोलने नहीं दिया और सदन रोक दिया। पहले किताब, फिर मैगज़ीन को कोट करने से रोका गया। रक्षा मंत्री ने गलत कहा कि किताब छपी नहीं है, जबकि वह छप चुकी है। राष्ट्रपति के भाषण पर भी LoP और विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। वहीं सत्तापक्ष के एक सदस्य ने कई किताबें कोट कर आपत्तिजनक बातें कहीं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा विपक्ष के सदस्यों को सस्पेंड किया गया।

प्रियंका बोलीं- मोदी की सदन में आने की हिम्मत नहीं

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि स्पीकर पर इतना प्रेशर है कि उन्हें खुद बयान देना पड़ रहा है, जो सही नहीं है। इसका सवाल ही नहीं उठता कि कोई मोदी जी पर हाथ उठाए। सदन में कांग्रेस की 11 महिला सांसद हैं, जिनमें से मैं भी एक हूं। सभी महिला सांसद सीरियस पॉलिटिशियंस हैं। स्पीकर ने उनका अपमान किया है। स्पीकर पर सरकार ने ऐसा कहने का प्रेशर डाला है। नरेंद्र मोदी की हिम्मत नहीं हुई सदन में आने की, इसलिए स्पीकर से सफाई दिलवा रहे हैं। खासकर बजट, US डील और किसानों पर उसके असर पर बात करने से।

संसद और दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के 15 स्कूलों को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल मिले। मेल में दावा किया गया कि 13 फरवरी को दोपहर 1.11 बजे संसद में ब्लास्ट होगा और दिल्ली को खालिस्तान बना देंगे। अधिकारियों ने बताया कि आठ धमकियां बाद में फर्जी पाई गईं। ईमेल में आतंकी अफजल गुरु और पंजाब को खालिस्तान बताने का भी जिक्र था। धमकी के बाद स्कूलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के मुताबिक, सुबह अलग-अलग इलाकों के स्कूलों से इमरजेंसी कॉल आईं। इसके बाद फायर टेंडर, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड तुरंत मौके पर पहुंची। DFS के एक अधिकारी ने कहा कि अब तक 15 स्कूलों ने धमकी मिलने की सूचना दी है। सभी परिसरों की गहन जांच की जा रही है। इनमें से आठ धमकियों को बाद में फर्जी बताया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईमेल की लोकेशन और सोर्स पता करने के लिए साइबर टीमें सक्रिय कर दी गई हैं।

यूपी विधानसभा के बजट सत्र में हुआ जमकर हंगामा

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान नारेबाजी करते रहे सपा विधायक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्षी नेताओं ने जमकर हंगामा किया है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल सदन में बोल रही थीं, इस दौरान सपा विधायक जमकर नारेबाजी और शोर-शराबा कर रहे थे। सदन के अंदर भारी हंगामे के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने सदन में मुस्कुराते हुए मेज थपथपाई और कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर बहस के लिए तैयार है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और अन्य भाजपा विधायकों ने जय श्री राम के नारे लगाकर जवाब दिया। वहीं, समाजवादी पार्टी (SP) के विधायकों ने राज्य सरकार की जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ सोमवार को विधानसभा परिसर में प्रदर्शन भी किया। सपा विधायकों ने हाथों में तख्तियां लेकर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (BJP) की सरकार PDA (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के अधिकारों से खिलवाड़ कर रही है। रानी अहिल्याबाई होल्कर का पोस्टर थामे पार्टी विधायक सचिन यादव ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर ध्वस्तीकरण का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि सरकार ने होल्कर का अपमान किया।

एसआईआर में कोई रुकावट नहीं आने देंगे: सुप्रीम कोर्ट

बंगाल में फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने की डेडलाइन एक हफ्ते बढ़ाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वह इस प्रक्रिया में किसी भी तरह की रुकावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि यह बात सभी राज्यों के लिए है। जरूरत पड़ने पर आदेश जारी किए जाएंगे। साथ ही कोर्ट ने बंगाल SIR की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने की तारीख 14 फरवरी से बढ़ाकर 21 फरवरी कर दी है। वहीं चुनाव आयोग (EC) ने कोर्ट में एफिडेविट दाखिल कर आरोप लगाया था कि कुछ बदमाशों ने बंगाल में SIR से जुड़े नोटिस जला दिए और अब तक इस मामले में कोई FIR नहीं हुई। कोर्ट ने बंगाल के DGP से जवाब मांगा है। DGP से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी है। 4 फरवरी को हुई सुनवाई में सीएम बनर्जी ने अदालत में दलीलें पेश की थीं। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली बार किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने कोर्ट में पेश होकर दलीलें रखीं। मुकदमों में आमतौर पर सीएम के वकील या सलाहकार ही पेश होते हैं। वेस्ट बंगाल सरकार को मंगलवार शाम 5 बजे तक उन 8,505 अफसरों की लिस्ट जमा करने का निर्देश दिया, जिन्हें वह तैनात करने का प्रस्ताव दे रही है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

मणिपुर के लितान में हिंसा भड़की, 25 घर फूंके

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले के व्यावसायिक कस्बे लितान में तनाव बना हुआ है। हालांकि भारी सुरक्षा तैनाती के बीच फिलहाल माहौल शांत है। पुलिस के अनुसार, तांगखुल नागा और कुकी समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद लितान और उससे सटे मंगकोट गांव में बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन जारी है। रविवार देर रात करीब 11:30 बजे लितान बाजार में हिंसा भड़क गई थी।

हिमाचल में आज रात से बारिश-बर्फबारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में आज रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इससे अगले 24 घंटे के दौरान अधिक ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी और निचले व मध्यम ऊंचाई वाले इलाकों में अच्छी बारिश होगी। मौसम विभाग (IMD) ने राज्य के कई हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। IMD के अनुसार- चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिला में आज रात और कल बारिश-बर्फबारी होगी। इससे तापमान में भी गिरावट आएगी। शिमला और मंडी समेत राज्य के कई भागों में आज भी सुबह से ही बादल छाए हुए हैं।

अमेरिकी सेब पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटी

शिमला। अमेरिकी सेब पर इम्पोर्ट ड्यूटी 50 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत और न्यूनतम आयात मूल्य (MIP) 80 रुपए प्रति किलो कर दिया गया है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अब अमेरिकी सेब भारत में लगभग 100 रुपए प्रति किलो की दर से पहुंचेगा। केंद्र सरकार इससे पहले न्यूजीलैंड और यूरोपियन यूनियन (EU) के सेब पर इम्पोर्ट ड्यूटी 50 फीसदी से क्रमशः 25 व 20 फीसदी कर चुकी है।

दावा-संसद में पीएम केयर-फंड से जुड़े सवाल पूछने पर रोक

पीएमओ ने लोकसभा सचिवालय को निर्देश दिए

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया है कि संसद में पीएम केयर फंड, पीएम राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) और राष्ट्रीय रक्षा कोष (NDF) से जुड़े सवाल नहीं पूछे जा सकेंगे। ये निर्देश सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय ने लोकसभा सचिवालय को दिए हैं। इसमें बताया गया कि PMO ने लोकसभा सचिवालय से कहा है- इस बात का खास ध्यान रखा जाए कि संसद में कोई भी सदस्य इन फंड्स पर सवाल न उठाए। कि कोविड-19 महामारी से पैदा हुई किसी भी तरह की इमरजेंसी या मुश्किल हालात से निपटने और प्रभावित लोगों को राहत देने के मुख्य मकसद के साथ एक खास फंड की जरूरत को ध्यान में रखते हुए- 'प्राइम मिनिस्टर्स सिटीजन असिस्टेंस एंड रिलीफ इन इमरजेंसी सिचुएशन्स फंड (PM केयर्स फंड)' नाम से एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट बनाया गया है। इस फंड को एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के तौर पर रजिस्टर किया गया था और इसकी ट्रस्ट डीड 27 मार्च, 2020 को नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1908 के तहत रजिस्टर की गई है।

कटे इसलिए थे, क्योंकि बंटे थे : योगी

फिर बटेंगे, तो कटेंगे, बांग्लादेश में रोज दलित हिंदू मारे जा रहे

- सीएम योगी ने गिरधारी नाथ महाराज स्मारक स्थल का उद्घाटन किया।
- सीएम योगी आदित्यनाथ ने गिरधारी नाथ महाराज स्मारक स्थल पर पूजा की।

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुरसीतापुर में सीएम योगी ने कहा- अगर सनातन पर संकट आएगा तो देश पर संकट आएगा। बंटोगे तो कटोगे। इसलिए बांटने वाले लोगों से सतर्क रहने की जरूरत है। भूतकाल में गुलाम इसलिए हुए थे कि हम बंटे थे। भूतकाल में कटे इसलिए थे क्योंकि हम बंटे थे। बांग्लादेश में आज हिंदुओं की हालत किसी से छिपी नहीं है। वहां रोज दलित हिंदुओं की हत्या हो रही है। लेकिन देश के लोग चुप हैं। इसलिए हमें एकजुट रहना है। सीएम ने यहां तपोधाम आश्रम में गिरधारी नाथ महाराज स्मारक स्थल का अनावरण किया। गिरधारी नाथ महाराज पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित शक्तिपीठ के संत रहे हैं। देश के बंटवारे के बाद उन्होंने सीतापुर में आकर अपनी साधना पूरी की थी। जिनकी याद में तपोधाम आश्रम में उनका स्मारक बनाया गया है। सनातन में पहला ग्रास गो माता और अंतिम ग्रास कुत्ते को दिया जाता है। ये समता का व्यवहार है, जो सिर्फ भारत में मिलेगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

देश में लोग बांग्लादेश पर कुछ नहीं बोलते

सनातन कमजोर हो तो देश कमजोर होगा। जाति क्षेत्र और भाषा उसके सामने कोई मायने नहीं रखते। जो बांटने वाले लोग हैं उनसे सतर्क रहिएगा। ये लोग बांग्लादेश में रोज हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार पर कुछ नहीं बोलते। वो मरने वाला दलित हिंदू है। लेकिन कोई उसपर कुछ नहीं बोल रहा है। कुछ धर्माचार्यों और हिन्दू संगठनों को छोड़कर सब मौन हैं। दलित हिंदू पर सब मौन हैं। इन नेताओं के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है। तमाम जातियों के नाम पर बांटना चाहते हैं। देश का दुश्मन आंखे लगाए बैठा है कि कैसे आप बंटेंगे? हम भारतीयों का दायित्व बनता है कि हम भी उस यात्रा के साथ चले और सनातन की सुरक्षा करें।

सीएम ने कहा- जिस तरह पूर्वी भारत में शक्तिपीठ का महत्व है, वैसे ही पश्चिम में हिंगलाज का महत्व है। फिलहाल ये मंदिर पाकिस्तान में स्थित है। वहां हमारे बहुत कम लोग ही दर्शन करने जा पाते हैं। सीतापुर भारत के सनातन का पौराणिक स्थल है। भारत के पौराणिक स्थलों को पुनर्स्थापित करने का जिम्मा हमने लिया है। 3500 वर्ष पहले 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि नैमिष में की थी और सभी ग्रंथ वही लिखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ₹54000 करोड़ की साइबर ठगी को डकैती-लूट बताया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल फ्रॉड से हुई 54 हजार करोड़ की ठगी को डकैती और लूट बताया। कोर्ट ने कहा कि यह रकम कई छोटे राज्यों के बजट से भी ज्यादा है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से इससे निपटने के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा है। सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस एन वी अंजारिया की बेंच ने कहा कि ये अपराध बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या लापरवाही से हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI), दूरसंचार विभाग और अन्य बैंक को डिजिटल अरेस्ट के पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा। साथ ही गृह मंत्रालय से RBI और दूरसंचार विभाग के नियमों को देखकर चार हफ्ते में ड्राफ्ट तैयार करने को कहा है। कोर्ट पहले ही इन मामलों की जांच सीबीआई को सौंप चुकी है। साथ ही गुजरात और दिल्ली सरकार को आदेश दिया था कि वे इन मामलों में CBI जांच की मंजूरी दें।

विरोध : खुद पर भी पेट्रोल छिड़का, बुलडोजर चलते देख लोग रोते-गिड़गिड़ाते रहे

वाराणसी दाल मंडी में व्यापारी ने अपनी दुकान फूंक दी

- दुकानदार ने दुकान और खुद पर पेट्रोल छिड़का। फिर दुकान में आग लगा दी।
- व्यापार मंडल के अध्यक्ष फारुख खान की पुलिस से झड़प।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी की दाल मंडी में प्रशासन ने जर्जर 21 मकानों-दुकानों में से 18 को ढहा दिया। बुलडोजर और हथौड़े से मकानों-दुकानों को तोड़ा गया। इससे पहले एक व्यापारी ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। मकान के पहले फ्लोर पर खड़े होकर सुसाइड करने की चेतावनी देने लगा। यह देखकर अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। अधिकारी उसे समझाने लगे। कई अन्य लोगों ने भी बुलडोजर एक्शन का विरोध किया। वे प्रशासन के अधिकारियों से 10 दिन की मोहलत मांगते रहे। तमाम लोग रोते-बिलखते दिखे। इस दौरान हंगामा करने वाले 8 लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस उन्हें खींचते हुए ले गई, कुछ लोगों की पिटाई भी की। दाल मंडी में सड़क चौड़ी करने के लिए जर्जर मकानों-दुकानों पर बुलडोजर चल रहा है। दाल मंडी में अब तक की यह एक दिन में सबसे बड़ी कार्रवाई है। दुकानदारों ने रोते हुए अफसरों से पूछा- हमारा गुनाह क्या है? क्या मार डालोंगे हमें? सड़क चौड़ी करनी है, तो लोगों को बर्बाद कर देंगे? सरकार हमें खत्म कर रही है। रोजी-रोटी छीन ली है। प्रशासन ने हमें कोई नोटिस नहीं दिया। चारों थानों के करीब 500 पुलिसकर्मी तैनात रहे। इनमें महिला कर्मी भी शामिल रहीं। ड्रोन से निगरानी की गई। इससे पहले 21 जनवरी को एक साथ तोड़े गए 8 मकानों को ध्वस्त किया गया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

व्यापारी ने मग में पेट्रोल भर रखा था। नीचे खड़े लोग उसे समझाते रहे।

"नाराज व्यापारी ने कहा- हमारा मकान जर्जर नहीं है। प्रशासन बेवकूफ नहीं बना सकता। अगर मकान गिराया तो हमें मुआवजा चाहिए। ये लोग जर्जर बताकर मुआवजा देने से बचना चाहते हैं। यह कहते हुए उसने दुकान में आग लगा दी। इसके बाद पुलिस ने मुश्किल से आग बुझाई।

आग भड़कने पर लोग डर गए। पुलिस फोर्स सीढ़ियों के सहारे में मकान में दाखिल हुई है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर ₹2.05 करोड़ का हाइड्रोपोनिक गांजा पकड़ा

बैंकॉक से आए यात्री के बैग से बरामद, तस्कर हिरासत में

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लखनऊ पर एक यात्री के बैग से 2.05 करोड़ रुपए का हाइड्रोपोनिक गांजा पकड़ा गया है। वह यात्री बैंकॉक से आया है। पुलिस ने हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। आरोपी यात्री को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गांजा/मारिजुआना के साथ पैकेजिंग सामग्री को जब्त कर लिया गया है। एयर इंटेलिजेंस के अनुसार जब्त हाइड्रोपोनिक गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.05 करोड़ रुपए है। यह मादक पदार्थ अत्यधिक उच्च गुणवत्ता का बताया जा रहा है, जिसे विशेष रूप से विदेशी बाजारों में तैयार किया जाता है। एयरपोर्ट प्रशासन और जांच एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि आरोपी किस नेटवर्क के माध्यम से इस नशीले पदार्थ की तस्करी कर रहा था। इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि आगे की जांच जारी है।

8 कुकी टिन बॉक्स में 5.88 किलो गांजा था

एयर इंटेलिजेंस अधिकारियों को बैंकॉक से आने वाली फ्लाइट को लेकर विशेष खुफिया जानकारी मिली थी। इसी आधार पर फ्लाइट संख्या FD-146 से लखनऊ पहुंचे एक भारतीय यात्री को जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान उसके ट्रॉली बैग में रखे 8 कुकी टिन बॉक्स संदिग्ध पाए गए। जांच में सामने आया कि हर कुकी टिन बॉक्स के भीतर पॉलीथीन पाउच में हरे रंग का ऑर्गेनिक पदार्थ भरा हुआ था। मौके पर फील्ड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट से जांच करने पर यह पदार्थ गांजा/मारिजुआना (हाइड्रोपोनिक वीड) पाया गया।

सम्पादकीय

वैश्विक आकर्षण का केंद्र बनता भारत

हाल में भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया। टैरिफ में यह बड़ी कमी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। इस समझौते से जहां कई क्षेत्रों में भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ेगा, वहीं भारत में अमेरिकी निवेश में भी वृद्धि होगी। साथ ही दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा मिलेगी। वैश्विक कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत में निवेश बढ़ाएंगी और भारत का निर्यात तेजी से बढ़ेगा। इससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बनने की दिशा में और तेजी से बढ़ेगा। गत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा भी कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ हुए व्यापार समझौते भारत की बढ़ती आर्थिक अहमियत के प्रतीक हैं। नई वैश्विक व्यवस्था भारत की ओर झुकती दिखाई दे रही है। पहले कहा जाता था कि भारत अवसर गंवा देता है, लेकिन अब दुनिया का मानना है कि यदि वे तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था से नहीं जुड़े, तो महत्वपूर्ण अवसर खो देंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत का तेज आर्थिक विकास और महंगाई पर नियंत्रण एक दुर्लभ संयोजन है। मजबूत बुनियादी ढांचा, विशाल घरेलू बाजार, मध्यवर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति, एमएसएमई की गति, ऊर्जा विकास, युवा शक्ति, डिजिटल प्रगति तथा मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र की ताकत ने भारत को दुनिया के लिए आकर्षक बना दिया है। इसी कारण विकसित देश भारत से द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) कर रहे हैं। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क के अनुसार भारत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पोल्ट्री, दूध, पनीर, इथेनाल, तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे संवेदनशील कृषि एवं डेरी उत्पादों के मामले में पूरी तरह सुरक्षित है। यह समझौता भारत के टेक्सटाइल एवं परिधान, चमड़ा एवं फुटवियर, प्लास्टिक एवं रबर उत्पाद, आर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, हस्तशिल्प और चुनिंदा मशीनरी जैसे क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार में बड़े अवसर देगा। इसके अलावा जेनेरिक दवाओं, रत्न-हीरे और एयरक्राफ्ट पाट्र्स सहित कई उत्पादों के निर्यात को गति मिलेगी। विशेष रूप से एमएसएमई, किसानों और मछुआरों के लिए 30 ट्रिलियन डालर के अमेरिकी बाजार के द्वार खुलेंगे। निर्यात बढ़ने से महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार बढ़ेगे। इस समझौते के तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों की बड़ी शृंखला पर टैरिफ घटाएगा या समाप्त करेगा तथा अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डालर के ऊर्जा उत्पाद, एयरक्राफ्ट एवं पाट्र्स, कीमती धातुएं, टेक्नोलाजी उत्पाद और कोकिंग कोल खरीदने की दिशा में आगे बढ़ेगा। अमेरिका भारत के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच 131.84 अरब डालर का व्यापार हुआ, जिसमें भारत का निर्यात 86.51 अरब डालर और आयात 45.33 अरब डालर रहा। वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से दिसंबर के बीच भारत ने अमेरिका को 65.88 अरब डालर का निर्यात किया। 18 प्रतिशत टैरिफ भारत को चीन-प्लस-वन रणनीति के स्वाभाविक विकल्प के रूप में और मजबूत करता है। वर्तमान में अमेरिका ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत, चीन पर 34 प्रतिशत, वियतनाम और बांग्लादेश पर 20 प्रतिशत तथा मलेशिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और थाइलैंड पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ है। ऐसे में भारत-अमेरिका समझौता वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। पिछले दिनों हुआ भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इससे दो अरब लोगों का साझा बाजार बनेगा, जो वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा। बीते वर्ष ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ हुए एफटीए का इस साल कार्यान्वयन महत्वपूर्ण होगा। साथ ही मारीशस, यूएई, आस्ट्रेलिया और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नार्वे और लिकटेंस्टाइन) के साथ लागू एफटीए के लाभ भी बढ़ेंगे। इस वर्ष पेरू, चिली, आसियान, मेक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल और गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य देशों के साथ नए एफटीए हो सकते हैं। इन समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को आर्थिक सुधारों और घरेलू ढांचागत बदलावों की गति बढ़ानी होगी। नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में सुधार, कर सुधारों को गहराई देना और जीएसटी को अधिक प्रभावी बनाना आवश्यक है। घरेलू कंपनियों को गुणवत्ता, तकनीक और कुशल मानव संसाधन पर ध्यान देना होगा। साथ ही प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, गैर-टैरिफ बाधाएं कम करने, सेवा क्षेत्र का लाभ उठाने, निर्यात विविधीकरण, कृषि सुरक्षा तथा पर्यावरण और श्रम मानकों के पालन पर विशेष ध्यान देना होगा। उम्मीद है भारत-अमेरिका शीघ्र ही व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इससे 2030 तक दोनों के बीच 500 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। यह समझौता भारत के निर्यात और रोजगार सृजन में मील का पत्थर साबित हो सकता है तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

योगी जी का चाइनीज मांझे पर ताजा आदेश , सभी प्रदेशों के लिए अनुकरणीय

> ऐसे में पुलिस के सामने पतंग उड़ाने वाले का पता करना बड़ी चुनौती होती है। आखिर यह पतंग कहां से कटकर आई है। कौन उड़ा रहा था। अगर किसी को चाइनीज मांझे की बिक्री के बारे में पता चले तो फौरन पुलिस को सूचना देना चाहिए। दुर्घटनाओं का कारण बनता जा रहा है। कई जगहों पर प्रशासन इसके इस्तेमाल पर बैन लगाने की मुहिम तो चला रहा है।

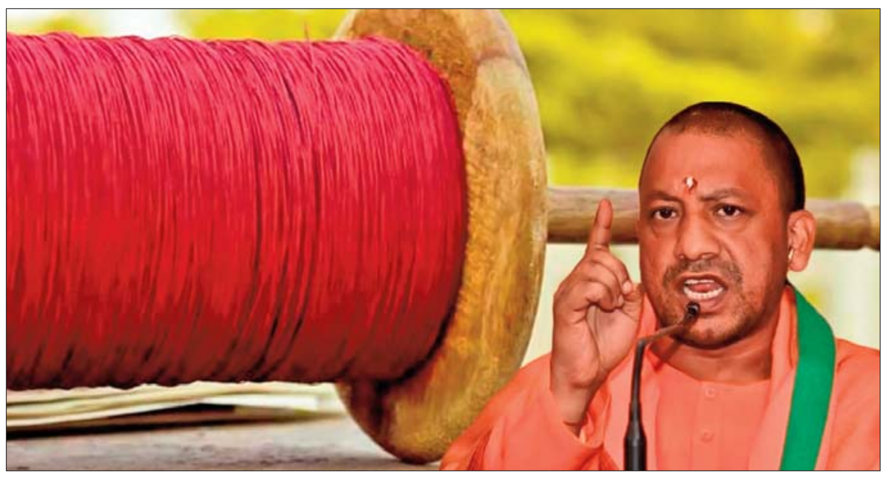

उत्तर प्रदेश में चाइनीज मांझे को लेकर योगी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि चाइनीज मांझे से होने वाली मौत को अब हादसा नहीं, बल्कि हत्या माना जाएगा। इस फैसले के बाद प्रदेश भर में चाइनीज मांझे की बिक्री और भंडारण के खिलाफ विशेष अभियान शुरू हो गया है।मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पुलिस और प्रशासन को संयुक्त रूप से छापेमारी कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में चाइनीज मांझा पहले से ही प्रतिबंधित है, इसके बावजूद कई स्थानों पर इसकी खुलेआम बिक्री हो रही थी। इसव मान लेना चाहिए कि जब जागे तब हुआ सवेरा . क्योंकि जानलेवा चाइनीज मांझे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा था । उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई इलाकों में कई वर्षों से मांझे की वजह से कई हादसे होते रहते हैं। हाल के दिनों में लखनऊ में एक बाइक सवार की मौत समेत कई गंभीर हादसे सामने आए हैं, जिनमें धारदार चाइनीज़ मांझे से लोगों का गला कट गया। महाराष्ट्र के वाशिम जिले की बात करें जहां चाइनीज मांझे की वजह से 57 साल के एक व्यक्ति का गला कट गया। दरअसल वो बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान खंडोबा मंदिर के पास सड़क पर लटक रहे मांझे की चपेट में आने से उनके गले पर गंभीर चोट आई हैं। जैसे ही शख्स को चोट लगी, उन्होंने तुरंत बाइक रोक दी। उनकी इसी समझदारी की वजह से जान बच गई और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। राजस्थान के बांसवाडा में भी कुछ ऐसा ही हुआ था । मोहन कॉलोनी से निकलते हुए एक बुजुर्ग का पैर चाइनीज मांझे में उलझ गया, जिसकी वजह से वो लड़खड़ाते हुए जमीन पर गिर गए।चाइनीज मांझे की चपेट में आने की वजह से उन्हें गहरी चोट आई। राहगीरों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने बताया कि पैर की एड़ी में मांझा अंदर तक चला गया जिसकी वजह से घाव ज्यादा गहरा है। वहीं उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में भी चाइनीज मांझे ने एक बाइक सवार को अपना शिकार बनाया। रविवार को बाइक से घर लौट रहे युवक की चाइनीज मांझे की वजह से गर्दन कट गई। गनीमत ये रही कि बाइक की स्पीड कम थी, जिससे युवक ज्यादा जख्मी नहीं हुआ। हादसे के तुरंत बाद उसने तुरंत अस्पताल जाकर इलाज करवाया। पोलिस खुद इन हादसों से बची हुई नहीं है । पिछले साल ही घर आने-जाने के दौरान महाराष्ट्र के मुंबई के डिंडोशी पुलिस में तैनात एक पुलिसकर्मी का गला मांझे से कट गया, जिससे उसकी मौत हो गई इन शिकायतो के बाद ही पिछले दिनों में शहर के कम से कम पांच पुलिस स्टेशनों ने चीनी मांझा बेचते, स्टॉक करते या उपयोग करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए थे । गौरतलब हो कि इसके पहले को खेरवाड़ी पुलिस के अधिकार क्षेत्र में कांस्टेबल समीर जाधव की जान भी चली गई थी जब वकोला फ्लाईओवर से लटके चीनी मांझे से उनका गला कट गया। तब खेरवाड़ी पुलिस ने आईपीसी की धारा 304-ए के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। इस दुखद घटना के बाद पुलिस ने चीनी मांझा की बिक्री और खरीद में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। चाइनीज मांझा न सिर्फ इंसानों के लिए बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी बहुत खतरनाक है और हर साल सैकड़ों पक्षी इसमें फंसकर अपनी जान गंवा देते हैं। दरअसल पतंगबाजी का मजा लेने वाले बच्चे व बड़े आपस में पतंग को लड़ाकर उसका मजा लेते हैं। पतंग लड़ाने के लिए लोग डोर को कटने से बचाने के लिए मजबूत धागे के लिए चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करते हैं। यह मांझा सादे धागे के मुकाबले सस्ता और मजबूत होता है। इस कारण इसकी मांग ज्यादा रहती है। डिमांड के कारण दुकानदार प्रतिबंध के बावजूद भी चोरी छिपे बेचते हैं। आज भारत समेत दुनिया के कई देशों में पतंगबाजी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, लेकिन पतंगबाजी का सबसे पुराना प्रमाण चीन में मिलता है। हान राजवंश के शासनकाल में पतंगों का सैन्य उपयोग भी होता था। वहां के सैन्य कमांडरों ने दुश्मन सेना की स्थिति और दूरी का पता लगाने के लिए पतंगों का भी इस्तेमाल किया। कहा जाता है कि पतंगबाजी भी चीन के रास्ते भारत पहुंची है। अब आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा होगा कि आखिर यह मांझा इतना खतरनाक क्यों है और एक पतला धागा लोगों की जान कैसे ले सकता है? इसका कारण यह है कि पतंगबाजी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य मांझा कपास का बना होता है, लेकिन चीनी मांझा नायलॉन और अन्य सिंथेटिक सामग्री से बना होता है। यह मांजा कांच, लोहे के पाउडर और कई अन्य रसायनों के साथ लेपित है। इस वजह से मांझा और भी तीखा और जानलेवा हो जाता है। चाइनीज मांझा साधारण मांझा की जगह स्ट्रेचेबल होता है यानी टूटने की बजाय खिंचता रहता है। इतना ही नहीं चीनी मांझा में धातु के चूर्ण के प्रयोग से यह विद्युत का सुचालक होता है, अर्थात इसमें से करंट प्रवाहित हो सकता है और इसलिए बिजली के झटके का खतरा रहता है, लेकिन इसके खतरों से वाकिफ होने के बावजूद आज बाजार में इसकी काफी मांग है, क्योंकि जब लोग पतंग उड़ाते हैं तो चाहते हैं कि उनकी पतंग न कट जाए और वे दूसरों की ज्यादा से ज्यादा पतंगें काट सकें। साल 2017 में NGT यानी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इस मांझा पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। पर्यावरण विभाग के तहत 10 जनवरी 2017 को एक अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके अनुसार पतंगबाजी के लिए नायलॉन, प्लास्टिक और किसी भी तरह की सिंथेटिक सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके अलावा कांच, धातु या अन्य नुकीली चीजों से बने धागों पर भी पतंग उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। नियम के मुताबिक, सूती धागे से बने धागों से पतंग उड़ाई जा सकती है, लेकिन इनमें भी किसी न किसी तरह का धागा होता है, तेज वस्तुओं का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन कड़ी सजा के साथ दंडनीय है। अगर कोई ऐसा करते पाया जाता है तो उसे 5 साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक के जुर्माने से भी दंडित किया जा सकता है। इतने सख्त नियम होने के बावजूद आज देश भर में में चीनी मांझा का कारोबार फलफूलता रहा है। व्यवसायी कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और इन घातक मांझा को लोगों को बेच रहे हैं, और खरीदने वालों की कोई कमी नहीं है।

अशोक भाटिया

प्रत्येक वर्ष आयोजनों ...

प्रमोद दीक्षित मलय

विश्व दाल दिवस घर-आंगन में बिखरती रहे दाल की खुशबू

यही कोई दस साल पहले की बात होगी। मुझे सह-समन्वयक (हिंदी भाषा) के पद पर काम करते हुए तीन साल हो चुके थे। प्राथमिक शिक्षा की बेहतरी के लिए मन में बहुत उत्साह था। लगभग प्रतिदिन ही किसी न किसी विद्यालय में जाना होता था। बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों, प्रबंध समिति के सदस्यों और गांव के आम निवासियों से विद्यालय विकास की बातचीत करता, सहयोग हेतु प्रेरित करता। परिणाम भी आने लगे थे, एक अच्छा शैक्षिक माहौल बन गया था। ये सब करते हुए कुछ ग्रामवासियों से स्नेह, मधुरता एवं आत्मीयता के स्वाभाविक सम्बन्ध भी विकसित हुए और शादी-विवाह एवं जन्म-मरण के अवसरों पर मेरी उपस्थिति होने लगी थी। सामाजिक रिश्ते की यह डोर भावना के रस से भींगी हुई थी। एक दिन शाम को एक गांव से फोन आया, ₹सर! कल आप स्कूल आ रहे हैं न। आपका भोजन हमारे साथ होगा। दाल, बाटी, चोखा, रायता रहेगा सर।₹ वह गांव के एक बुजुर्ग व्यक्ति थे और एक ही सांस में पूरी बात कह गये। मुझे हां कहना ही था। वह विद्यालय एक मजरे में आबादी के बाहर एक बगीचे के निकट स्थित प्राथमिक स्कूल था। वह बुजुर्ग व्यक्ति उसी बगीचे में सपरिवार रहते थे। विद्यालय के सहयोग हेतु सदैव तत्पर, वह एक संवेदनशील सहयोगी व्यक्ति थे। मैं जब विद्यालय पहुंचा तो वह वहीं उपस्थित थे। विद्यालय का संक्षिप्त कार्यक्रम पूरा कर अन्य शिक्षकों के साथ हम लोग बाग पहुंचे। वहां दो-तीन लोग भोजन की तैयारी में जुटे थे। उपलों की आग पर भुन रहे आलू-बैंगन की सोंधी महक ने मन मोह लिया। ईंटों के चूल्हे पर मिट्टी के घड़े में मिक्स दाल (अरहर, चना, मूंग, उड़द, मसूर) खदबदा रही थी, और एक आदमी करछुल से दाल का छाग बाहर करता जा रहा था। दाल पकने के बाद उसमें लाल साबुत मिर्च, जीरा, हींग, तेजपत्ता, डोंडा एवं लौंग को सरसों के तेल में तड़का कर छौंका लगाया गया, तो खुशबू पूरे बगीचे में फैल गयी और स्वाद मुंह में उतर आया। प्रेम पूर्वक भोजन कर हम विदा हुए। पाठक सोच रहे होंगे कि दाल विषयक लेख के आरम्भ में उपर्युक्त प्रसंग मैंने क्यों लिखा। दरअसल मैं बताना चाह रहा हूं कि दाल के बिना हमारा भोजन बेस्वाद, नीरस और अपूर्ण है। दाल ही है जो भोजन की थाली के सौंदर्य, स्वाद, संतुष्टि और पोषण-संतुलन को संभालती एवं वृद्धि करती है। दाल के बिना स्वस्थ शरीर की कल्पना नहीं की जा सकती क्योंकि दालें मानव शरीर के लिए अत्यावश्यक प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत एवं संसाधन हैं, साथ ही फाइबर, खनिज एवं विटामिन का भी। एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति के लिए प्रति किलोग्राम वजन हेतु 0.8 से 1.7 ग्राम प्रोटीन की जरूरत प्रतिदिन पड़ती है। मोटे तौर पर कहें तो न्यूनतम 50-60 ग्राम प्रोटीन प्रतिदिन आवश्यक है। प्रोटीन न केवल शरीर के विकास के लिए एक जरूरी तत्व है बल्कि वह देह के अंदरूनी अंगों की मरम्मत का काम भी करता है। एंजाइम एवं हार्मोन के उत्पादन में सहयोग, मांसपेशियों, त्वचा, हड्डी, बाल, नाखून आदि के साथ शरीर के ऊतकों का निर्माण करता है। शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सबल करता है। कार्बोहाइड्रेट की कमी हो जाने पर ऊर्जा की आपूर्ति एवं पोषक तत्वों के परिवहन में सहायक है। इतना ही नहीं, शरीर के पीएच मान के संतुलन को भी बनाये रखता है। कह सकते हैं कि प्रोटीन मानव शरीर का सुपर हीरो हैं और दालें सुपर फूड। इसीलिए दालों के महत्व से परिचित कराने, टिकाऊ खेती में दालों की भूमिका के बारे में जागरूकता का प्रसार करने तथा मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारने में दालों के योगदान से जन सामान्य को रू-ब-रू कराने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा प्रतिवर्ष 10 फरवरी को जागतिक आयोजन किया जाता है। उल्लेखनीय है कि खाद्य एवं खाद्य संगठन ने वर्ष 2016 में अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष मनाया था, और एक नारा दिया था - स्वस्थ आहार और ग्रह के लिए दलहन से प्यार करें। उस आयोजन से प्राप्त निष्कर्ष, प्रेरणा एवं ऊर्जा से खाद्य एवं कृषि संगठन की पहल पर दिसम्बर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 फरवरी को विश्व दाल दिवस के रूप में मनाते हुए मानव शरीर, मिट्टी एवं पर्यावरण में दालों की योगदान से परिचित कराने हेतु घोषित किया था। तब पहला आयोजन 10 फरवरी, 2019 को किया गया। प्रत्येक वर्ष आयोजनों हेतु एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2026 की थीम है- विश्व की दलहन : सादगी से उत्कृष्टता की ओर, जबकि वर्ष 2025 की थीम थी- दलहन : कृषि खाद्य प्रणालियों में विविधता लाना। थीम से आयोजनों को दिशा मिलती है और प्रेरणा भी। भारत दालों के उत्पादन में अग्रणी है।

चार दशक से ...

सुभाष शिरढोनकर

अमिताभ बच्चन के साथ नजर आएंगी माधुरी दीक्षित?

पिछले साल के आखिर में 19 दिसंबर को अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट और कुकुनूर मूवीज़ द्वारा निर्मित जियो हॉटस्टार पर 6 एपिसोड की ऑनस्ट्रीम हुई साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज़ 'मिसेज़ देशपांडे' में माधुरी दीक्षित अपने ग्लैमरस और चिर-परिचित ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व से पूरी तरह अलग नजर आयी थीं। एक सादा, खामोश और डराने वाली महिला, जिसकी मुस्कान भरी चुप्पी ऑडियंस को असहज कर देती है, सीरीज़ में उनका परफॉर्मेंस काफी शानदार साबित हुआ। निश्चित ही इसके पहले ऑडियंस ने उन्हें इस रूप में कभी नहीं देखा था। हर बार की तरह इस बार भी माधुरी के चेहरे पर मुस्कान तो थी लेकिन उसी मुस्कान के पीछे जो चुप्पी थी, वह ऑडियंस के दिलो में डर पैदा करती है। माधुरी के अलावा इस वेव सीरीज में सिद्धार्थ चांदेकर, प्रियांशु चट्टर्जी जैसे उत्कृष्ट कलाकार भी मौजूद थे जिनके दमदार प्रदर्शन ने भी ऑडियंस को खूब इंप्रेस किया। बॉलीवुड में 'धकधक गर्ल' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने 10 अगस्त 1984 को रिलीज हुई राजश्री प्रोडक्शंस के लिए हीरेन नाग व्दारा निर्देशित फिल्म 'अबोध' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। चार दशक से अधिक लंबे एक्टिंग करियर में माधुरी दीक्षित 70 से ज्यादा फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं लेकिन इतने लंबे वक्त तक काम करने के बावजूद दर्शक माधुरी को अमिताभ बच्चन के साथ सिर्फ एक बार 'बड़े मियां छोटे मियां' (1998) के एक गाने 'मेरे प्यार का रस जरा चखना...' में ही स्क्रीन पर देख पाए। ऐसा नहीं है कि अमिताभ और माधुरी को साथ काम करने के लिए ऑफर नहीं मिले। साल 1989 में फिल्म 'बंधुआ' के लिए इन दोनों को कास्ट किया गया लेकिन बदकिस्मती से फिल्म बनने से पहले ही डिब्बाबंद हो गई। इसके बाद डायरेक्टर ऋतुपर्णो घोष ने अमिताभ और माधुरी के साथ एक फिल्म शुरू करने की कोशिश की लेकिन बात नहीं बन सकी। माधुरी के करियर में एक दौर ऐसा भी आया जब उनके करियर का ग्राफ नीचे खिसकने लगा. उस वक्त अनिल कपूर के साथ फिल्म 'तेजाब' (1988) के जरिए माधुरी के करियर को बूस्ट मिला। 'तेजाब' (1988) की जोरदार सफलता के बाद अनेक बड़े फिल्ममेकर्स ने अनिल और माधुरी को धड़ाधड़ कास्ट करना शुरू कर दिया। 'तेजाब' (1988) के बाद 'परिंदा' (1989) 'रामलखन' (1989) 'किशन कन्हैया' (1990) 'बेटा' (1992), 'खेल' (1992) और 'पुकार' (2000) जैसी फिल्मों की कामयाबी के बाद अनिल के साथ माधुरी की पॉपुलर जोड़ी बन गई। उन दिनों अनिल कपूर को अमिताभ बच्चन का मुख्य प्रतिव्दंदी माना जाता था। कहा जाता है कि ऐसे में जब माधुरी को अमिताभ बच्चन के साथ किसी फिल्म का ऑफर मिलता, तब अनिल माधुरी को उस ऑफर को करने से मना कर देते। हालांकि जिस वक्त अनिल कपूर का फिल्मी करियर थोड़े ढलान पर आ रहा था, माधुरी का करियर परवान चढ रहा था और वह लगातार शिखर की ओर अग्रसर थीं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

राजेश कुमार पासी

क्या सिर्फ जातिवाद ही भेदभाव का आधार है

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी गाइडलाइंस पर रोक लगाने के बावजूद मामला शांत होता दिखाई नहीं दे रहा है। मेरा मानना है कि ये मामला बहुत दूर तक जाएगा। ऐसा लगता है कि अदालत का फैसला आने के बाद भी यह मामला पूरी तरह से खत्म होने वाला नहीं है। यूजीसी मामला भाजपा के लिए 'आगे कुआं, पीछे खाई' जैसा हो गया है। मोदी सरकार के लिए इस कानून का समर्थन करना जितना नुकसानदेह है, उतना ही इसका विरोध करना है । भाजपा को अब एक ऐसा रास्ता निकालना होगा जिससे सभी को जीत का अहसास हो। किसी को समझ नहीं आ रहा है कि मोदी सरकार को ऐसा कानून लाने की क्या जरूरत पड़ गई थी। ऐसा लगता है कि पिछड़ी जातियों का अपने पक्ष में ध्रुवीकरण करने के लिए ये कानून लाया गया है। ऐसा नहीं हो सकता कि भाजपा को इस कानून के आने के बाद सवर्ण जातियों के नाराज होने का अहसास न हो लेकिन उसे इतने बड़े विरोध का अंदाजा नहीं था। यूजीसी कानून के खिलाफ सवर्ण समाज का विरोध धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा था. इससे भाजपा को अहसास हो गया होगा कि उसने कितनी बड़ी गलती कर दी है। इसके अलावा सोशल मीडिया में भाजपा का बड़ा समर्थक वर्ग उसके खिलाफ मैदान में उतर आया है । भाजपा हमेशा राजनीतिक रूप से बहुत सतर्क रहती है. जब उसे गलती का अहसास होता है तो पीछे हटने में देर नहीं लगाती। भाजपा को अहसास हो गया है कि उससे गलती हो गई है, इसलिए वो मुद्दे के शांत होने का इंतजार कर रही है। यूजीसी की नई गाइडलाइंस का समर्थन करना किसी के लिए भी आसान नहीं है क्योंकि ये न्याय के प्राकृतिक सिद्धांतो के ही खिलाफ है । सामाजिक न्याय की स्थापना के नाम सामाजिक अन्याय करने की कोशिश इस कानून द्वारा की गई है। एक वर्ग, समूह या नस्ल द्वारा किसी दूसरे का उत्पीड़न, शोषण और भेदभाव का पुराना इतिहास है, जो आज भी चल रहा है। कोई अगर कहता है कि अब भारत में जातिगत भेदभाव दूर हो गया है तो इससे बड़ा झूठ नहीं हो सकता। आज भी हमारे देश में जाति के आधार पर भेदभाव जारी है, बेशक इसमें कमी आयी है। ग्रामीण क्षेत्र में आज भी ये भयानक रूप में मौजूद हैं लेकिन शहरी क्षेत्र में इसका असर काफी कम हो गया है। बेशक शहरी क्षेत्रों में इसमें कमी आयी है लेकिन यह खत्म नहीं हुआ है। सच तो यह भी है कि हमारे देश में जातिगत भेदभाव दूर करने की जगह उसके नाम पर सिर्फ राजनीति हुई है। जाति को खत्म करने के नाम पर कितने ही राजनीतिक और सामाजिक संगठन काम कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ यही संगठन जातियों को मजबूत कर रहे हैं। मेरा मानना है कि जातियों को खत्म करने की जगह जातिगत भेदभाव खत्म करना जरूरी है क्योंकि जाति खत्म होने की उम्मीद तो दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। वैसे भी जाति समस्या नहीं है, जाति आधारित भेदभाव समस्या है। सवाल यह है कि क्या भेदभाव सिर्फ जाति के आधार पर ही होता है। यूजीसी ने शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर 'समता विनियम, 2026' के नाम से गाइडलाइंस जारी की हैं, सवाल यह है कि सिर्फ जातिगत भेदभाव दूर करके क्या समाज में समानता आ जायेगी। दूसरी बात यह है कि जो कानून समानता लाने के लिए लाया गया है, क्या वही असमानता नहीं पैदा कर सकता है । कानून बनाने से अगर जातिगत भेदभाव खत्म होता तो ये कब का खत्म हो गया होता। यूजीसी की गाइडलाइंस को देखकर लगता है कि 'सामाजिक न्याय' के नाम पर उसने अन्यायपूर्ण व्यवस्था खड़ी करने की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यूजीसी गाइडलाइंस के नियम स्पष्ट नहीं हैं क्योंकि इसमें ओबीसी जातियों को एससी-एसटी के साथ रख दिया गया है। सवाल यह भी है कि क्या एससी/एसटी के साथ भेदभाव सिर्फ सवर्ण समाज द्वारा ही किया जाता है । आंकड़े कहते हैं कि दलित और आदिवासियों के साथ होने वाले भेदभाव की 80% शिकायतें पिछड़ी जातियों से संबंधित हैं । दूसरा सच यह है कि इनमें से ज्यादातर शिकायतें झूठी पाई जाती हैं। यही कारण है कि एससी/एसटी उत्पीड़न कानून के दुरुपयोग के विरोध में आवाज सुनाई देती है। इतना सख्त कानून होने के बावजूद भेदभाव खत्म नहीं किया जा सका है क्योंकि भेदभाव की वजह सिर्फ जाति नहीं है। एससी/एसटी के साथ होने वाले भेदभाव की बड़ी वजह उनकी गरीबी भी होती है। गरीबी के कारण ही ये लोग अपने साथ होने वाले शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ लड़ नहीं पाते हैं। यूजीसी को जवाब देना चाहिए कि उसके कानून से अगर एससी/एसटी के साथ होने वाला भेदभाव दूर नहीं हो सका है तो इसमें ओबीसी को शामिल करने का क्या औचित्य है। यूजीसी का कानून बनाने वालों की पूरी सोच यह है कि ओबीसी, एससी और एसटी पीड़ित और शोषित हैं और सवर्ण इनका उत्पीड़न और शोषण करते हैं । अगर सवर्ण समाज यह सब बंद कर दे तो देश से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाएंगे। सच तो यह है कि एक दलित जाति दूसरी दलित जाति का उत्पीड़न करती है। ओबीसी एससी-एसटी का उत्पीड़न करते हैं, एक ओबीसी जाति दूसरी जाति का उत्पीड़न करती है। कुछ ओबीसी जातियां तो इतनी साधन-सम्पन्न हैं कि सवर्ण उनके साथ भेदभाव कर ही नहीं सकते। भारत में जातियों की व्यवस्था इतनी उलझी हुई है कि उसको समझना बहुत मुश्किल है। जहां कमजोर दलित और आदिवासी अपने साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ लड़ नहीं पाते हैं तो दूसरी तरफ इसी समाज के मजबूत लोग इन कानूनों का दुरुपयोग करते हैं। इस कानून की समस्या यह है कि इसमें शिक्षण संस्थाओं में मौजूद लगभग सभी लोगों को शामिल कर लिया गया है । मामला सिर्फ छात्रों तक सीमित नहीं रहा है बल्कि इसमें शिक्षण और गैर-शिक्षण कार्यो में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों को भी शामिल कर लिया गया है। सवाल यह है कि लिंग, नस्ल, रंग और क्षेत्र के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म करने के लिए कौन सा कानून आने जा रहा है। आर्थिक आधार पर होने वाले भेदभाव को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। यूजीसी की गाइड-लाइंस कहती हैं कि अगर पीड़ित को लगा कि आरोपी ने उसके साथ उसकी जाति के कारण दुर्व्यवहार किया है तो वो सजा का हकदार होगा। आरोपी ने ऐसा नहीं किया है, ये साबित करने की जिम्मेदारी भी आरोपी पर ही होगी। इसका मतलब है कि पीड़ित के कहने भर से आरोपी को अपराधी मान लिया जाएगा। सवाल यह है कि अगर पीड़ित एससी/एसटी समुदाय से हुआ और आरोपी ओबीसी समुदाय से हुआ तो क्या किया जाएगा, इस बारे में कानून स्पष्ट नहीं है।

ट्रम्प ने वर्ल्डकप के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी

बोले-पूरा अमेरिका के साथ, भारत ने 29 रन से हराया, अब पाकिस्तान से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी क्रिकेट टीम का उत्साह बढ़ाया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि पूरा देश टीम USA का समर्थन कर रहा है। उन्होंने लिखा,'मुझे अभी पता चला कि भारत में क्रिकेट वर्ल्ड कप चल रहा है! मैं टीम USA को शुभकामनाएं देता हूं। हमारी टीम बहुत मजबूत है और पूरा अमेरिका आपके साथ है।' ट्रम्प के इस संदेश पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए लिखा,'काइंड वर्ड्स के लिए धन्यवाद मिस्टर प्रेसिडेंट।' ट्रम्प के इस बयान को अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि अमेरिका में क्रिकेट अभी भी अपनी पहचान बना रहा है,

लेकिन ग्लोबल स्टेज पर टीम के प्रदर्शन ने सबका ध्यान खींचा है। क्रिकेट विश्लेषकों का कहना है कि टी-20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में अमेरिका के खिलाड़ियों की भागीदारी ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी क्रिकेट की छवि को सुदृढ़ किया है। टीम USA के लिए यह संदेश न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि अमेरिका में क्रिकेट के प्रचार-प्रसार को भी बढ़ावा देगा। गौरतलब है कि ट्रम्प के इस संदेश को सोशल मीडिया पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली है। क्रिकेट प्रेमी और अमेरिकी खेल समुदाय दोनों ही राष्ट्रपति के संदेश को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं। कुछ विशेषज्ञ इसे अमेरिका में क्रिकेट के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत मान रहे हैं। इस बीच, भारत में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में टीम USA के प्रदर्शन पर सभी की नजरें हैं। टीम के खिलाड़ी अपनी कड़ी मेहनत और रणनीतिक खेल के जरिए ग्लोबल स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे में ट्रम्प का संदेश टीम के लिए एक अतिरिक्त प्रेरणा का काम करेगा।

वानखेड़े में भारत ने यूएसए को हराया, सूर्या ने खेली 84 रनों की पारी

मैदान की बात करें तो, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने अमेरिका को 29 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 161/9 का स्कोर बनाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों पर नाबाद 84 रनों की शानदार पारी खेली। ईशान किशन और तिलक वर्मा ने भी उपयोगी योगदान दिया। अमेरिका की ओर से शैडली वान शल्कविक (4/29) और हरमीत सिंह (2/26) ने बेहतरीन गेंदबाजी की।

"भारत से हारने के बाद अब अमेरिकी टीम श्रीलंका रवाना होगी। वहां 10 फरवरी को उनका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह मैच काफी रोमांचक होने की उम्मीद है क्योंकि 2024 के वर्ल्ड कप में अमेरिका ने पाकिस्तान को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। क्रिकेट फैंस की नजरें इस री-मैच पर टिकी हैं कि क्या अमेरिका दोबारा वह इतिहास दोहरा पाएगा।"

लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाई अमेरिकी टीम, सिराज ने झटके 3 विकेट

162 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए अमेरिका की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी। मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति और शुभम रंजने ने संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए अमेरिका को लक्ष्य से दूर रखा।

आईपीएल के बाद रिंकू सांसद प्रिया संग लेंगे 7 फेरे

काशी में होगी शादी, सियासत से बचने को गेस्ट लिस्ट छोटी बनाई

अलीगढ़, एजेंसी

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज इसी साल जून में 7 फेरे लेंगे। दोनों की शादी काशी में होगी। पिछले साल 8 जून को लखनऊ में रिंकू और प्रिया की रिंग सेरेमनी हुई थी। इसके बाद नवंबर, 2025 में शादी की डेट फिक्स हुई थी। लेकिन, शादी नहीं हो पाई थी। फिर फरवरी, 2026 की तारीख तय हुई थी। लेकिन T-20 वर्ल्ड कप और IPL के चलते अब इसे जून के लिए शेड्यूल किया गया है। रिंकू के बड़े भाई सोनू सिंह ने बताया- शादी के लिए पहले 11 और 12 जून की तारीखों पर चर्चा थी। लेकिन IPL फाइनल की व्यस्तता को देखते हुए रिंकू ने नई तारीख निकलवाने को कहा है। IPL 26 मार्च से 31 मई के बीच प्रस्तावित है। जब रिंकू IPL से फ्री होंगे, तभी शहनाई बजेगी। फिलहाल शादी काशी में होगी और रिसेप्शन अलीगढ़ में रखा जाएगा। शादी में रिंकू सिंह की तरफ से परिवार और कुछ रिश्तेदारों को मिलाकर करीब 10 से 12 लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इसके पीछे की वजह बड़ी

दिलचस्प है। दरअसल, दूल्हा पक्ष के कई करीबी भाजपा से जुड़े हैं, जबकि दुल्हन खुद सपा सांसद हैं। इसलिए न्योता देने के लिए काफी सोच-विचार करके ही इस पर निर्णय लिया गया है। 8 जून 2025 को रिंग सेरेमनी में अखिलेश यादव, डिंपल यादव, जया बच्चन, शिवपाल यादव, इकरा हसन समेत 300 वीआईपी गेस्ट शामिल हुए थे। समारोह में BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला, प्रवीण कुमार, गेंदबाज यश दयाल भी शामिल हुए थे। दूसरी तरफ, इसी कार्यक्रम में रिंकू के संरक्षक कहे जाने वाले अर्जुन सिंह फकीरा भाजपा का झंडा लगी गाड़ी से पहुंचे थे।

फास्ट न्यूज

एफपीआई ने फरवरी में अब-तक ₹8,129 करोड़ की खरीदारी की

मुंबई। फरवरी के पहले हफ्ते में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) भारतीय शेयर बाजार में नेट खरीदार बन गए हैं। उन्होंने एक हफ्ते में 8,100 करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। ये खरीदारी इंडिया-US ट्रेड डील की वजह से आई है, जिससे मार्केट में पॉजिटिव सेंटिमेंट आया है। पिछले तीन महीनों से FPI लगातार बिकवाली कर रहे थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है।

अरिजीत सिंह ने कोलकाता में किया लाइव कॉन्सर्ट

मुंबई। प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद सिंगर अरिजीत सिंह ने रविवार को कोलकाता में लाइव परफॉर्मेंस दी। उन्होंने नेताजी इंडोर स्टेडियम में हुए लाइव कॉन्सर्ट में सितार वादक अनुष्का शंकर के साथ परफॉर्म किया। कॉन्सर्ट में परकशनिस्ट बिक्रम घोष भी मंच पर मौजूद थे। इसे अरिजीत की प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के ऐलान के बाद पहली पब्लिक परफॉर्मेंस माना जा रहा है। कॉन्सर्ट के दौरान अरिजीत ने बंगाली क्लासिक 'माया भोरा राती' गाया, जिसे मूल रूप से लक्ष्मी शंकर ने आवाज दी थी और पंडित रवि शंकर ने कंपोज किया था। अनुष्का शंकर ने जब उन्हें मंच पर इंट्रोड्यूस किया, तो अरिजीत इमोशनल हो गए और कहा कि वह काफी नर्वस हैं। साथ ही उन्होंने उन्हें बुलाने के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद अरिजीत और अनुष्का ने 'ट्रेसेस ऑफ यू' का डुएट परफॉर्म किया।

पुतिन से नजदीकी बढ़ाना चाहता था यौन अपराधी एपस्टीन

वॉशिंगटन डीसी/मॉस्को। अमेरिका जस्टिस डिपार्टमेंट (DOJ) के नए दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीब जाने की कोशिश कर रहा था। एपस्टीन 2018 में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के जरिए पुतिन तक अपनी बात पहुंचाना चाहता था। उसने इसके लिए नॉर्वे के पूर्व पीएम थॉर्बजॉर्न यागलैंड से संपर्क किया था।

अमिताभ बच्चन के हाथ में दिखा अनोखा पोस्टर

लिखा था- मुझे सपोर्ट करिए! मेरे ससुराल वाले मेरी वाइफ को भेज नहीं रहे हैं

- अमिताभ बच्चन से मुलाकात करने के लिए उनके घर के बाहर भारी भीड़ उमड़ी।

मुंबई, एजेंसी

एक्टर अमिताभ बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे रविवार को मुंबई में फैन्स से मुलाकात के दौरान एक पोस्टर पकड़े नजर आए। पोस्टर पर लिखा मैसेज कई लोगों को हैरान कर रहा है दरअसल, अमिताभ बच्चन हर रविवार को अपने घर के बाहर फैन्स से मुलाकात करते हैं। रविवार को फैन्स से मुलाकात के दौरान बिग बी के हाथ में एक पोस्टर दिखा, जिस पर लिखा था- "मुझे सपोर्ट करिए! मेरे ससुराल वाले मेरी वाइफ को भेज नहीं रहे हैं। 1982 ए लव मैरिज।" हालांकि, इस पोस्टर का अमिताभ बच्चन से कोई निजी संबंध नहीं है। यह पोस्टर एक फिल्म से जुड़ा हुआ है, जो 13

फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन आखिरी बार रजनीकांत के साथ फिल्म वेट्टैयन में नजर आए थे। टी. जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित यह तमिल फिल्म 10 अक्टूबर, 2024 को रिलीज़ हुई थी। इस फिल्म में उन्होंने सत्यदेव (जस्टिस डॉ. सत्यदेव ब्रह्मदत्त पांडे) का रोल प्ले किया था। वहीं, फिल्म में रजनीकांत ने एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अधिकारी का रोल निभाया था। बता दें कि फिल्म में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत 33 साल बाद एक साथ पर्दे पर नजर आए थे।

फैमिली मेंबर्स समेत सेरेमनी में फराह खान, करीना कपूर जैसे कई सेलेब्स हुए शामिल

सोनम कपूर ने बेबी शावर में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

- करीना कपूर सिंपल और एलिगेंट लुक में बेबी शावर सेरेमनी में पहुंचीं।
- संजय कपूर अपने बेटे जहान के साथ बेबी शावर में पहुंचे, दोनों का कैजुअल लेकिन स्टाइलिश लुक देखने को मिला।

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने मुंबई स्थित अपने घर पर बेबी शावर सेरेमनी होस्ट की। सोनम और उनके पति आनंद आहूजा दूसरी बार पैरेंट्स बनने वाले हैं। इस खास मौके पर सोनम के परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल हुए,

जबकि बॉलीवुड सेलेब्स में करीना कपूर और भूमि पेडनेकर भी नजर आए। सोनम ने अपने बेबी शावर को सिंपल, एलिगेंट और पर्सनल टच के साथ मनाया। इस अवसर पर एक्ट्रेस ने लाइम-ग्रीन लहंगा पहना, जिसके साथ मैचिंग केप था। फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी और फ्लूइड सिल्हूट वाले इस आउटफिट में कम्फर्ट को प्राथमिकता दी गई। दुपट्टे को पल्लू की तरह ड्रेप किया गया और भारी लेयरिंग से परहेज किया गया। स्टाइलिंग में स्लीक बन, लाल बिंदी, रेड लिपस्टिक और गोल्ड ज्वेलरी शामिल रही। अनुपम खेर व्हाइट टी-शर्ट में सादगी भरे अंदाज में बेबी शावर सेरेमनी में पहुंचे और कैमरों के सामने सहज नजर आए। भूमि पेडनेकर ऑफ-व्हाइट ट्रेडिशनल आउटफिट में एलिगेंट लुक में दिखीं।

सोनम का करियर

सोनम ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में फिल्म सांवरिया से की थी। उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है, जिनमें नीरजा, रांझणा और प्रेम रतन धन पायो प्रमुख हैं। वह आखिरी बार फिल्म ब्लाइंड में नजर आई थीं, जो 7 जुलाई 2023 को जिओ सिनेमा पर रिलीज हुई थी। बेबी शावर समारोह में दोनों परिवारों के सदस्य और करीबी दोस्तों का जमावड़ा रहा। कार्यक्रम का माहौल निजी और खुशहाल था, और सोनम की सरल और सुरुचिपूर्ण स्टाइल ने सबका ध्यान खींचा।

सोनम की फैमिली और पर्सनल लाइफ

सोनम पहले से ही एक बेटे वायु की मां हैं, जो इस समय तीन साल के हैं। वायु का जन्म अगस्त 2022 में हुआ था। सोनम ने 8 मई 2018 को बिजनेसमैन आनंद आहूजा से मुंबई में सिख रीति-रिवाज से शादी की थी।

एपस्टीन फाइल्स में जुकरबर्ग-मस्क की तस्वीर

सिलिकॉन वैली में डिनर के दौरान ली गई, एपस्टीन ने अपने अपार्टमेंट में लगा रखी थी

लंदन, एजेंसी

एपस्टीन फाइल्स में टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क और मेटा के CEO मार्क जुकरबर्ग की तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में सिलिकॉन वैली के बड़े टेक दिग्गज साथ में डिनर करते नजर आ रहे हैं। इसमें पेपाल के को-फाउंडर पीटर थील और MIT मीडिया लैब के पूर्व डायरेक्टर जोई इतो भी दिख रहे हैं। यह फोटो साल 2015 की बताई जा रही है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने 30 जनवरी को एपस्टीन फाइल्स के 30 लाख दस्तावेज सार्वजनिक किए थे, जिसके बाद से इस मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। मैकस्वीनी ने माना कि उन्हें पता था कि मंडेलसन ने जेफ्री एपस्टीन का जेल जाने के बाद भी समर्थन किया था। मंडेलसन पर ये भी आरोप है कि उन्होंने ब्रिटेन के बिजनेस सेक्रेटरी रहते हुए एपस्टीन को मार्केट से जुड़ी संवेदनशील जानकारी शेयर की थी। मैकस्वीनी ने कहा कि इस फैसले से पार्टी, देश और राजनीति पर लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। वहीं

एपस्टीन फाइल्स के तहत ये तस्वीर अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने जारी की है, इसमें मार्क जुकरबर्ग और इलॉन मस्क नजर आ रहे हैं।

विपक्ष का कहना है पीएम स्टार्मर को मामले की जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा देना चाहिए। अमेरिका में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ पीटर मंडेलसन। मंडेलसन पर आरोप है कि जेफ्री एपस्टीन को बच्चों के यौन शोषण के मामलों में सजा होने के बाद भी मंडेलसन उसके संपर्क में रहे और उसका समर्थन किया। अमेरिका में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ पीटर मंडेलसन। मंडेलसन पर आरोप है कि जेफ्री एपस्टीन को बच्चों के यौन शोषण के मामलों में सजा होने के बाद भी मंडेलसन उसके संपर्क में रहे और उसका समर्थन किया।

एपस्टीन फाइल्स विवाद से ब्रिटिश पीएम की कुर्सी पर भी खतरा

वहीं एपस्टीन फाइल की वजह से ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार मुश्किल में फंस गई है। एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद ने इतना तूल पकड़ लिया कि उनके सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा। मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने कहा कि यह नियुक्ति गलत थी। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक एपस्टीन फाइल्स के नए खुलासे सामने आने के बाद अब एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं कि दुनिया के सबसे ताकतवर और अमीर लोगों के एपस्टीन से रिश्ते कितने गहरे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वही डिनर पार्टी है, जिसे यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने 'वाइल्ड डिनर' कहा था। एपस्टीन ने यह तस्वीर अगस्त 2015 में खुद को ईमेल की थी और इसे फ्रेम करा कर अपने न्यूयॉर्क स्थित अपार्टमेंट में लगा रखा था।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ मॉर्गन मैकस्वीनी। तस्वीर पिछले साल मई की है।

एपस्टीन ने डिनर को 'वाइल्ड' बताया था

जस्टिस डिपार्टमेंट की फाइलों के मुताबिक, 2 अगस्त 2015 को एपस्टीन ने अपने दोस्त पीटर एटिया को ईमेल भेजकर लिखा था कि उस रात एलन मस्क, पीटर थील और मार्क जुकरबर्ग के साथ डिनर है। जवाब में एटिया ने लिखा था कि यह शानदार डिनर लग रहा है। इसके कुछ दिनों बाद, 20 अगस्त 2015 को एपस्टीन ने अरबपति टॉम प्रिट्जकर को एक और ईमेल भेजा, जिसमें उसने इस डिनर को 'वाइल्ड' बताया।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले सियासी घमासान

बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच कांटे की टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में इस हफ्ते आम चुनाव होने को है। इस बाबत दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियां बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के बीच कांटे की टक्कर है। सभी पार्टियां जनता से लोक लुभावने वादे करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासनकाल में विपक्षी दलों की चुनावी मैदान में उपस्थिति नगण्य रही थी। या तो वे चुनावों का बहिष्कार करते थे या उनके शीर्ष नेताओं की बड़े स्तर पर गिरफ्तारियां उन्हें हाशिए पर धकेल देती थीं। अब स्थिति पूरी तरह पलट चुकी है। गुरुवार को होने वाले मतदान से पहले, मंगलवार सुबह 7 बजे चुनाव प्रचार की आधिकारिक समाप्ति के साथ सोमवार अंतिम दिन है जब पार्टियां मतदाताओं तक पहुंच सकती हैं। शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने और मुहम्मद यूनुस

की अंतरिम सरकार द्वारा उनकी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने के बाद, पूर्व सहयोगी जमात और BNP देश की राजनीति में प्रमुख ताकतों के रूप में उभरे हैं। इस चुनाव में BNP की जीत की प्रबल संभावना जताई जा रही है, लेकिन जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाला गठबंधन उसे कड़ी चुनौती दे रहा है। इस बीच एक नई Gen-Z पार्टी, जो 2024 के हसीना-विरोधी आंदोलनों से निकली थी, चुनावी सफलता न मिलने पर जमात से हाथ मिला चुकी है।

उछाल : सोना आज ₹3,515 महंगा हुआ, 10 ग्राम की कीमत ₹1.56 लाख हुई

चांदी ₹17 हजार बढ़कर ₹2.62 लाख किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में 9 फरवरी को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में एक बार फिर मजबूती देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,515 रुपये की बढ़त के साथ 1,55,593 रुपये पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 1,52,078 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था वहीं, चांदी की कीमतों में भी जोरदार उछाल दर्ज किया गया। चांदी 16,826 रुपये महंगी होकर 2,61,755 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी का भाव 2,44,929 रुपये प्रति किलो था। सर्राफा बाजार में इससे पहले 29 जनवरी को सोना और चांदी अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचे थे। उस दिन 10 ग्राम सोने का भाव 1,76,121 रुपये और चांदी का भाव 3,85,933 रुपये प्रति किलो तक चला

गया था। हालांकि इसके बाद लगातार तीन कारोबारी सत्रों में दोनों की कीमतों में तेज गिरावट देखने को मिली। जानकारों के मुताबिक, हालिया गिरावट के दौरान सोने की कीमतों में करीब 15 फीसदी तक की कमजोरी आई थी। कीमतों में इस तेज गिरावट के बाद निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया था। अब जैसे ही दाम निचले स्तर पर स्थिर हुए, निवेशकों ने दोबारा खरीदारी शुरू कर दी, जिससे बाजार को सहारा मिला। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा तेजी के बावजूद सोने-चांदी में एकमुश्त बड़ी रकम लगाने से फिलहाल बचना चाहिए। उनकी सलाह है कि निवेशक धीरे-धीरे और चरणबद्ध तरीके से निवेश करें, ताकि कीमतों में उतार-चढ़ाव का जोखिम कम किया जा सके।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

2025 में सोना 57 हजार रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।

चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपए की थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

सेंसेक्स में 400 अंक की तेजी

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 9 फरवरी को बढ़त है। सेंसेक्स करीब 400 अंक की तेजी के साथ 84,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में 100 अंक से ज्यादा की बढ़त है, ये 25,850 पर कारोबार कर रहा है। आज मेटल, बैंकिंग और IT शेयर्स में बढ़त है। गुरुग्राम बेस्ड नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (NBFC) आय फाइनेंस का IPO आज से ओपन हो गया है। निवेशक 11 फरवरी तक इसमें बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस इश्यू के जरिए 1,010 रुपए जुटाना चाहती है। इससे पहले बीते हफ्ते शेयर बाजार में बढ़त रही थी। 6 फरवरी (शुक्रवार) को सेंसेक्स 266 अंक चढ़कर 83,580 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 50 अंक चढ़कर 25,693 के स्तर पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशकों (FII) ने 6 फरवरी को 1,950 करोड़ के शेयर खरीदे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने 1,265 करोड़ की बिकवाली की थी। दिसंबर 2025 में FIIs ने कुल 34,350 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान बाजार को संभाल रहे DIIs ने 79,620 करोड़ के शेयर खरीदे थे।

बैंक ऑक्शन से 2 बीएचके की कीमत में खरीदें 3 बीएचके घर

मार्केट रेट से 25% तक सस्ते मिल सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप कम बजट में घर खरीदना चाहते हैं, तो बैंक ऑक्शन एक अच्छा ऑप्शन है। अक्सर बैंकों की नीलामी में एक 3BHK फ्लैट उसी कीमत पर मिल जाता है, जितनी कीमत में उस इलाके में 2BHK की होती है। यह मौका तब मिलता है जब कोई कर्जदार अपने होम लोन की किस्तें (EMI) नहीं चुका पाता और बैंक उस प्रॉपर्टी को जब्त कर नीलामी के जरिए बेच देते हैं। जब कोई लोन डिफॉल्ट करता है तो बैंक 'सरफेसी एक्ट' के तहत प्रॉपर्टी कब्जे में ले लेते हैं। बैंक का मकसद मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि बकाया लोन वसूलना होता है। इसीलिए बैंक इन घरों की 'रिजर्व प्राइस' बाजार भाव से 25% तक कम रखते हैं ताकि खरीदार जल्दी मिल

सकें। मार्केट में 2BHK की डिमांड सबसे ज्यादा है, इसलिए इनकी कीमतें तेजी से बढ़ती हैं। इसके उलट, 3BHK की कीमत ज्यादा होने से खरीदार कम होते हैं। नीलामी के दौरान कॉम्पिटिशन कम होने का फायदा उठाकर आप बड़े फ्लैट्स को 2BHK के रेट पर खरीद सकते हैं। बैंक इन प्रॉपर्टीज को 'As-is-where-is' बेसिस पर बेचते हैं। इसका मतलब है कि घर जिस हालत में है, आपको वैसा ही मिलेगा। खरीदने से पहले इन बातों का ध्यान रखें:

फिजिकल विजिटः प्रॉपर्टी पर खुद जाकर देखें कि कहीं कोई टूट-फूट या कब्जा तो नहीं है। नीलामी जीतने के बाद 15 से 30 दिनों के भीतर पूरी रकम चुकानी होगी। अगर आप लोन लेना चाहते हैं, तो प्री-अप्रूव्ड लोन का विकल्प रखें। देरी होने पर जमा राशि जब्त की जा सकती है। 50 लाख से ज्यादा की प्रॉपर्टी पर 1% TDS काटकर सरकार को जमा करना भी अनिवार्य है। अपनी अधिकतम बोली पहले से तय करें और इमोशन में आकर उससे ज्यादा पैसा न लगाएं। प्रॉपर्टी का लोकेशन और भविष्य में वहां होने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की जांच करें। पुराने मालिक का कोई कानूनी विवाद तो नहीं चल रहा, इसकी जानकारी जुटाएं।

केजीएमयू परिसर की 5 मजारों को दूसरा नोटिस जारी

पहले का नहीं दिया जवाब, अब 28 फरवरी तक समय मिला

- केजीएमयू प्रशासन ने मजारों पर दूसरा नोटिस चस्पा किया।
- केजीएमयू प्रशासन का दावा है कि परिसर में अवैध रूप से मजारे बनी हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) प्रशासन परिसर में बनीं मजारों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पहले नोटिस का संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद KGMU प्रशासन ने परिसर में स्थित 5 मजारों को दूसरा नोटिस जारी कर दिया है। सभी मजार कमेटियों को 28 फरवरी तक कुल सचिव के समक्ष अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। KGMU परिसर की अन्य 5 मजार कमेटियों की ओर से पहले नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया गया। इसी को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने अब इन सभी मजारों को दोबारा नोटिस जारी किया है। प्रशासन का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित किसी भी निर्माण या धार्मिक संरचना को नियमों और दिशा-निर्देशों के तहत होना आवश्यक है। इसी क्रम में मजारों से जुड़े दस्तावेज, स्वीकृति और वैधता की जांच की जा रही है। KGMU प्रशासन के अनुसार, परिसर में कुल 10 मजारें चिन्हित की गई थीं। इनमें से 5 मजार कमेटियों ने पहले नोटिस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

> अधिकारियों के मुताबिक, मजार कमेटियों द्वारा प्रस्तुत किए गए जवाब और दस्तावेजों की समीक्षा के बाद ही अगला कदम तय किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियमों के दायरे में और पारदर्शी तरीके से की जा रही है।

22 जनवरी को जारी हुआ था पहला नोटिस

KGMU प्रशासन की ओर से 22 जनवरी को परिसर में बनी मजारों को लेकर नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस के तहत मजारों की वैधता और उनके निर्माण से जुड़े दस्तावेज मांगे गए थे। हालांकि तय समय सीमा 7 फरवरी तक सिर्फ एक मजार कमेटी ने ही जवाब सौंपा।

न्यू ऑर्थोपेडिक परिसर की मजार से मिला जवाब

न्यू ऑर्थोपेडिक परिसर में स्थित मजार की कमेटी ने प्रशासन को जवाब देते हुए इसे वर्ष 1947 से पहले का बताया है। कमेटी की ओर से दावा किया गया कि मजार ऐतिहासिक है और इसका अस्तित्व आजादी से पहले का है। प्रशासन इस जवाब की जांच कर रहा है।

इन 5 मजारों को जारी हुआ दूसरा नोटिस

दूसरा नोटिस जिन मजारों को दिया गया है, उनमें क्वीन मैरी हॉस्पिटल परिसर में स्थित मजार, माइक्रोबायोलॉजी विभाग की मजार, न्यू बॉयज हॉस्टल परिसर की मजार, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की मजार और शताब्दी फेज-2 अस्पताल परिसर में बनी मजार शामिल हैं।

28 फरवरी को कुल सचिव के सामने रखना होगा पक्ष

KGMU प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी संबंधित मजार कमेटियों को 28 फरवरी को कुल सचिव के सामने उपस्थित होकर अपना जवाब और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। प्रशासन का कहना है कि जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि तय समय पर जवाब न देने को लापरवाही माना जाएगा।

लखनऊ में आज से 10 दिन तक बड़ा डायवर्जन

विधानसभा की ओर जाने वाले रास्ते बंद रहेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का प्रथम सत्र आज से शुरू हो रहा है। इसको देखते हुए पुलिस प्रशासन ने विधानसभा और लोकभवन के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई है। यातायात पुलिस ने हजरतगंज, विधानसभा और आसपास के इलाकों में डायवर्जन प्लान लागू किया है। यह डायवर्जन अगले 10 दिन लागू रहेगा। यातायात पुलिस के मुताबिक, वाहन चालकों को कैंट, गोल्फ क्लब चौराहा, 1090 चौराहा (गांधी सेतु), चिरैयाझील, कैसरबाग, लालबत्ती चौराहा, मेफेयर तिराहा और बर्लिंग्टन चौराहा जैसे मार्गों का उपयोग करना होगा। महानगर, चारबाग और गोमतीनगर की तरफ से आने वाली रोडवेज और सिटी बसें हजरतगंज व विधानसभा की ओर नहीं जा सकेंगी। ये बसें बैकुंठधाम, 1090 चौराहा, संकल्प वाटिका ओवरब्रिज, चिरैयाझील और कैसरबाग होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचेंगी। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, शव वाहन और स्कूली वाहन को चिकित्सकीय जाने वाले वाहनों को प्रतिबंधित मार्गों से गुजरने की अनुमति दी जा सकती है। इसके लिए नागरिक ट्रैफिक कंट्रोल रूम नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी लेकर चलें और पुलिस का सहयोग करें।

फास्ट न्यूज

ट्रेडिंग के नाम पर 7.12 लाख की ठगी

लखनऊ। लखनऊ में साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग और IPO में मोटे मुनाफे का लालच देकर एक युवक से लाखों रुपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर गुडम्बा थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकीपुरम श्याम एन्क्लेव निवासी मयंक श्रीवास्तव के मुताबिक 8–9 दिसंबर को उनके पास एक कॉल आई, जिसमें उन्हें ट्रेडिंग से जुड़े व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ने की बात कही गई।

तेजस, शताब्दी और डबलडेकर को गोमतीनगर से चलाने की तैयारी

लखनऊ। गोमतीनगर रेलवे स्टेशन का कद लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले वीआईपी मानी जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस को यहां शिफ्ट किया जा चुका है। अब रेलवे डबलडेकर, शताब्दी एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस और चेन्नई जाने वाली मास एक्सप्रेस को भी गोमतीनगर से संचालित करने की तैयारी में है। इससे चारबाग और लखनऊ जंक्शन से वीआईपी ट्रेनों का दबाव लगभग खत्म हो जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के अंतर्गत आने वाले गोमतीनगर स्टेशन को विश्वस्तरीय स्वरूप दिया जा रहा है। स्टेशन के पहले चरण का वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर चुके हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, मार्च 2026 तक दूसरे चरण का काम भी पूरा हो जाएगा। इसके साथ ही स्टेशन से ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

फरीदाबाद जेल में आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या

फरीदाबाद। हरियाणा की फरीदाबाद जेल में बंद आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या कर दी गई है। रविवार देर रात जेल में मर्डर केस में बंद अरुण चौधरी उर्फ अब्बू जट नाम के कैदी ने उस पर नुकीली चीज से हमला किया। दोनों को हाई सिक्योरिटी वाली बैरक में एक साथ बंद किया गया था। कत्ल का पता चलते ही जेल अधिकारी बैरक में पहुंचे। इसके बाद आतंकी की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। 20 साल के आतंकी अब्दुल को गुजरात ATS ने मार्च 2025 में पकड़ा था।

2 बुजुर्ग दोस्तों को रौंदा, एक की मौत

दूसरे के पैर की हड्डी टूटकर बाहर निकली, पुलिस चौकी के पास 40 मिनट तड़पते रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इटौंजा थाना क्षेत्र में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मुहाना चौकी के पास एक अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे खड़े दो बुजुर्गों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इटौंजा थाना क्षेत्र स्थित मुहाना चौकी के पास 58 वर्षीय कुंवर बहादुर सिंह अपने दोस्त अंगद सिंह के साथ सड़क किनारे खड़े थे। दोनों अपने भाई अमर बहादुर सिंह का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। परिजनों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बुजुर्ग कई फीट दूर जा गिरे। हादसे में कुंवर बहादुर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, अंगद सिंह को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, अंगद के पैर की हड्डी टूटकर बाहर निकल आई है और हाथ की एक अंगुली भी कट गई है। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक के बेटे निर्मल ने बताया कि उनके पिता अपने दोस्त के साथ भाई का इंतजार कर रहे थे, तभी अचानक एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना इतनी अचानक हुई कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि फरार वाहन की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी वाहन चालक को चिन्हित कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंगद सिंह के पैर की हड्डी टूटकर बाहर निकल आई है।

40 मिनट तक सड़क पर पड़े रहे

कुंवर बहादुर सिंह मुहाना गांव के रहने वाले थे। उनके बेटे निर्मल ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें करीब 40 मिनट बाद हुई। इस दौरान दोनों घायल सड़क पर ही पड़े रहे। चंद कदम की दूरी पर चौकी थी। पुलिस को इसकी भनक नहीं लगी। मृतक के चार बच्चे हैं। बेटा निर्मल, कमल और विमल है। सबसे छोटी बेटी शुभी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वाराणसी में 200 लोगों ने स्कूल घेरा, आरोपी को हेलमेट पहनाकर पुलिस ले गई

58 साल के प्रिंसिपल ने 4 छात्राओं से बैडटच किया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में प्राइमरी स्कूल के प्रिंसिपल ने छात्राओं से बैडटच किया। छात्राओं ने विरोध किया तो 58 साल के प्रिंसिपल ने जान से मारने की दी। ये बात जैसे ही छात्राओं के मां-बाप को मिली। सभी हाथों में जूता-चप्पल लेकर स्कूल पहुंच गए। करीब 200 लोगों ने आरोपी को खोजना शुरू किया। डरकर प्रिंसिपल ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। लोगों ने भी स्कूल कैंपस में हंगामा। सूचना पर ACP 3 थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। किसी तरह आरोपी प्रिंसिपल को हेलमेट पहनाकर बाहर निकाला। पूरा मामला शिवपुर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित के पिता ने बताया- मेरी बेटी प्राइमरी स्कूल में पढ़ने जाती थी। स्कूल के प्रिंसिपल पद्माकर सिंह ने अपने चैंबर में टॉफी, नमकीन, चाकलेट देकर बुलाते थे। वहां बैडटच करते थे। बाथरूम में भी पीछे-पीछे चले जाते थे। ऐसा 10 से 15 दिन से कर रहे थे। 2 दिन पहले एक बेटी के साथ जबरदस्ती की। उसे दर्द हुआ तो वह रोने लगी। उसने घर पर भी बताया। इसके बाद दूसरी लड़कियों ने भी अपने साथ हुई घटना के बारे बताना शुरू कर दिया। इसके बाद बात बदार्शत के बाहर हो गई और हम लोग स्कूल पहुंच गए। पुलिस ने प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रामीणों को पुलिस समझाने में जुटी

आरोपी प्रिंसिपल पद्माकर सिंह को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच एसडीएम सदर और बेसिक शिक्षा अधिकारी कर रहे हैं। जबकि हंगामा कर रहे आक्रोशित लोगों को पुलिस समझाने करीब 2 घंटे तक समझाती रही।

> ग्रामीणों ने कहा- हमारी बच्चियां स्कूल में क्लास 4 और 5 में पढ़ती हैं। यहां कुछ दिन से टीचर हमारी बच्चियों से बैडटच कर रहे थे। जब टीचर ही छात्राओं के साथ ऐसा करेंगे तो बच्चों को हम कहां पढ़ाएंगे।

पद्माकर सिंह
आरोपी प्रिंसिपल

15 दिन पहले ही स्कूल से कर दिया गया था रिलीव

छेड़छाड़ और ग्रामीणों के स्कूल पर हमले की सूचना पर SDM सदर और बेसिक शिक्षा अधिकारी भी पहुंचे। BSA ने बताया- स्कूल में कुल 12 महिला और 3 पुरुष टीचर हैं। इसमें से एक महिला और एक पुरुष टीचर का समायोजन दूसरे स्कूल में किया गया था। आरोपी प्रिंसिपिल पद्माकर सिंह को 15 दिन पहले ही रिलीव कर दिया गया था, लेकिन वह यहां से जाना नहीं चाहते थे। आरोपी प्रधानाध्यापक की उम्र 58 वर्ष है। जो दो साल बाद रिटायर होने वाला है।

बिजली की मांग को लेकर किसानों ने निकाला पैदल मार्च

नोएडा में ट्रैक्टर पर बैठकर पहुंचे, 2 घंटे से चल रहा धरना-प्रदर्शन

तमसा संकेज, एजेंसी

नोएडा। नोएडा के डूब क्षेत्र की 40 कॉलोनियों के लोग आज बिजली की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। भारतीय किसान परिषद की अगुवाई में पैदल मार्च निकाला गया है। जिसमें किसान समेत अन्य लोग शामिल हैं। वे बैनर-पोस्टर लेकर सेक्टर-16 बिजली घर जा रहे हैं। वहां पर धरना देंगे। प्रदर्शन को देखते हुए हरौला बारात घर से सेक्टर-16 बिजली घर तक भारी पुलिस फोर्स तैनात है। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खिलाफ ने कहा कि जिले में रहने वाले हर निवासी को बिजली आपूर्ति देने की विद्युत निगम की जिम्मेदारी है। डूब क्षेत्र में रहने वाले लाखों लोग बिजली आपूर्ति से वंचित है। लोगों का कहना है कि नेता लोग वोट लेने के लिए तो लोग आ जाते हैं। लेकिन जब काम कराने की बारी आती है तो मुंह फेर लेते हैं। यही वजह है कि अभी तक बिजली की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है। बिजली सप्लाई नहीं होने से हम लोगों को तमाम तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पैदल मार्च में शामिल लोगों का कहना है कि अब तक 10 से 12 बार प्रदर्शन किया जा चुका है। लेकिन अभी तक हम लोगों की नहीं सुनी गई है। प्रदर्शन करने के अलावा हमारे पास कोई दूसरा रास्ता बचा है। लोगों का कहना है कि नेता लोग वोट लेने के लिए तो लोग आ जाते हैं। लेकिन जब काम कराने की बारी आती है तो मुंह फेर लेते हैं। यही वजह है कि अभी तक बिजली की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है। बिजली सप्लाई नहीं होने से हम लोगों को तमाम तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पैदल मार्च में शामिल लोगों का कहना है।

प्रदर्शन : परिजनों का हंगामा, मां बेहोश, 50 लाख और गिरफ्तारी की डिमांड पर अड़े

मंत्री के बेटे की फॉर्च्यूनर से कुचलकर युवक की मौत

तमसा संकेज, एजेंसी

ललितपुर। लितपुर में राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ 'मन्नू कोरी' के बेटे की फॉर्च्यूनर से घायल युवक की मौत हो गई। इससे परिजन भड़क उठे। उन्होंने हावड़ा पुल के पास ललितपुर–जाखलौन मार्ग को जाम कर दिया है। सड़क पर शव रखकर लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। परिजनों ने तीन डिमांड रखी है। पहली- मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी। दूसरी- 50 लाख रुपए की मदद। तीसरी- एक सदस्य को नौकरी। लोगों ने सड़क पर बिजली का बड़ा खंभा रखा है। टेंट लगाकर परिजन बैठे हैं। इस दौरान युवक की मां बेहोश हो गई। भीम आर्मी जिला प्रभारी हरपाल सिंह, जिलाध्यक्ष रमाकांत चौधरी और सपा जिलाध्यक्ष नेपाल यादव भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस अधिकारी 7 घंटे से परिजनों को समझाने में लगे हैं। लेकिन बिना कार्रवाई परिजन उठने को तैयार नहीं हैं। युवक 13 दिनों से अस्पताल में जिंदगी-मौत से लड़ रहा था। हादसे में एक अन्य युवक की पहले ही मौत हो चुकी है। लोगों का आरोप है कि हादसे के वक्त कार में मंत्री का बेटा और 4 अन्य लोग सवार थे। सभी नशे में धुत थे। कार की स्पीड 100 से ज्यादा थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार करीब 300 मीटर तक घिसटती चली गई। फॉर्च्यूनर की स्पीड 100 से ज्यादा थी। कार ने हावड़ा पुल के पास बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि फॉर्च्यूनर के एयरबैग खुल गए। चारों दरवाजे लॉक हो गए। इसके बाद, कार में सवार सभी लोग पीछे की खिड़की तोड़कर बाहर निकले। जब लोगों ने विरोध किया, तो मंत्री के बेटे ने बंदूक दिखाकर लोगों को धमकाया। रात का फायदा उठाकर सभी लोग भाग गए। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

शिवेंद्र यादव
मृतक

अनुज यादव
मृतक

परिजनों ने तीन डिमांड रखी है

पहली- मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी।
दूसरी- 50 लाख रुपए की मदद।
तीसरी- एक सदस्य को नौकरी।
लोगों ने सड़क पर बिजली का बड़ा खंभा रखा है। टेंट लगाकर परिजन बैठे हैं।

बाइक को टक्कर मारी, लोग पहुंचे तो धमकाया

मामला थाना जाखलौन क्षेत्र के बरखेरा गांव का है। 26 जनवरी की रात करीब एक बजे अनुज यादव (21) अपने चचेरे भाई शिवेंद्र यादव (18) और शंकर (45) के साथ सुंदरकांड पाठ के कार्यक्रम से बाइक पर घर लौट रहा था। इसी दौरान जाखलौन से ललितपुर की ओर आ रहा राज्यमंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी का बेटा नरेश पंथ अपने साथियों के साथ जा रहा था।

13 दिन बाद दूसरे भाई की भी मौत

अनुज यादव का झांसी मेडिकल कॉलेज में 13 दिन तक इलाज चला, लेकिन रविवार शाम दम तोड़ दिया। अनुज दो भाइयों में छोटा था और पेट्रोल पंप पर काम करता था। फॉर्च्यूनर कार राज्यमंत्री की पत्नी कस्तूरी देवी के नाम पर रजिस्टर्ड है।

> पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अनुज के परिजनों ने सोमवार सुबह ललितपुरझजाखलौन मार्ग पर खंभा रखकर बंद कर दिया। इसके बाद शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। 3-4 घंटे के धरने के बाद भी जब सुनवाई नहीं हुई तो परिजनों ने बीच सड़क पर ही टेंट लगा दिया। धरने में मृतक अनुज की मां भी बैटी हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

स्पीकर ने कमिट ...

अगर किसी ने धमकी दी है तो FIR कर गिरफ्तार करें। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार बहस से डर रही है। दोपहर 2 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद विपक्षी सांसदों ने फिर हंगामा शुरू किया। विपक्ष लगातार पहले राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा है। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

एसआईआर में ...

चुनाव आयोग को EROs और AEROs को बदलने और जरूरत पड़ने पर इन अधिकारियों की सर्विस लेने का अधिकार दिया गया। बाकी अधिकारियों में से ECI उनके बायोडेटा की जांच के बाद, पहले से लगे माइक्रो-ऑब्जर्वर की संख्या के बराबर लोगों को शॉर्टलिस्ट कर सकता है और उन्हें EROs, AEROs और माइक्रो-ऑब्जर्वर की मदद करने के लिए थोड़ी ट्रेनिंग दे सकता है। ये अधिकारी सिर्फ प्रोसेस में मदद करेंगे और आखिरी फैसला सिर्फ EROs का होगा। को चुनाव पैनल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने शीर्ष अदालत को बताया था कि राज्य ने SIR प्रक्रिया की देखरेख के लिए केवल 80 ग्रेड 2 अधिकारी प्रदान किए गए हैं। द्विवेदी ने यह भी कहा कि इस एक्सरसाइज के लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने केवल निम्न-रैंक के सरकारी कर्मचारियों, जैसे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रदान किया था। बनर्जी ने EC के आरोपों का खंडन किया था और कहा था कि राज्य ने वही प्रदान किया था जो चुनाव पैनल द्वारा मांगा गया था। मुख्यमंत्री ने शीर्ष अदालत से पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का पुरजोर आग्रह किया था। ममता ने कोर्ट में कहा था कि चुनाव से पहले 2 महीने में ऐसा कुछ करने की कोशिश की जा रही है, जो 2 साल में होना था। खेतीबाड़ी के मौसम में लोगों को परेशान किया जा रहा है। 24 साल बाद इसे 3 महीने में पूरा करने की जल्दबाजी क्यों है। 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। ECI की प्रताड़ना के चलते BLO की जान जा रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। असम और नॉर्थ ईस्ट में ऐसा क्यों नहीं हो रहा। इससे पहले ममता ने मंगलवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले SIR क्यों किया जा रहा है? चार राज्य बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव होने हैं। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों पर कहा कि ये लोग (BJP) घुसपैठियों की बात करते हैं लेकिन ये तो आपकी जिम्मेदारी है। बॉर्डर की रखवाली केंद्र की जिम्मेदारी है। ऐसे में घुसपैठ के लिए वही जिम्मेदार है। ममता बनर्जी ने SIR के खिलाफ विरोध का एक अलग तरीका अपनाया है। उन्होंने इस मुद्दे पर आधारित 26 कविताओं की एक किताब लिखी है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने यह किताब यात्रा के दौरान सिर्फ तीन दिनों में लिखी।

कटे इसलिए थे...

चीटी को भी लोग आटा डालते हैं। कितना भी जहरीला सांप हो उसे भी लोग नागमंचमी के दिन दूध पिलाते हैं। ये सनातन में ही संभव है। सनातन को तोड़ने का बहुत प्रयास हुआ। कुछ लोगों ने शरण तो ली लेकिन शरणार्थी धर्म नहीं निभाया। भारत की पूरी परम्परा इस से जुड़ी हैं, दुनिया की तमाम संस्कृति और सभ्यता समापत हो गई, लेकिन एक सांस्कृति दुनिया के सामने खड़ी और दुनिया को बसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देने वाली हमारी सनातन परंपरा है। सनातन ने हर एक को बढ़ने का मौका दिया। मुगल आए, अंग्रेज आए, लेकिन जो लोग आए, धर्म और संस्कृति को लूटने का काम किया। यहां जो भी आया, उसे शरण मिली, लेकिन कुछ लोगों ने यहां शरण लेकर शरणार्थी धर्म का पालन नहीं किया। उंगली पकड़ कर हाथ पकड़ने का काम किया, देश को लूटने का काम किया। चीन बढ़ रहा था और भारत को बढ़ाने का जो प्रयास होना चाहिए था वो नहीं हो पाया। मुगलों ने तो लूटा ही था और अंग्रेजों ने आश्रम पद्धति को खत्म करने का काम किया। देश 1947 में आजाद होता है, तब दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी महज 2 फीसदी रह गई थी। पिछले 11 वर्षों में भारत की प्रगति देखा होगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है। अब भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अमेरिका और चीन के बाद भारत का नंबर होगा। 22 जनवरी 2024 के बाद भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान हर भारतीय की आंखें नम थी। हर घर में दीप जल रहे थे और भारतीय दिवाली मना रहे थे। क्योंकि राम के साथ आत्मीयता का रिश्ता था। काशी में पहले 10 लोग एक साथ दर्शन नहीं कर पाते थे लेकिन अब देखिए कहीं कोई समस्या नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर बन गया। काशी में कॉरिडोर बन गया।

वाराणसी दाल मंडी...

नगर निगम ने 31 जनवरी को 23 मकान मालिकों को नोटिस दी थी। सभी मकान 100 साल से ज्यादा पुराने और जर्जर हैं। लेकिन, लोग जान जोखिम में डालकर इनमें रह रहे हैं। ACP दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजान ने बताया- दाल मंडी में चौड़ीकरण के लिए मकानों का ध्वस्तीकरण कराया जा रहा। दालमंडी के अंदर आने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई है। दाल मंडी में आज नगर निगम ने 21 मकानों में से 18 पर आज सुबह 11 से लेकर शाम 4:45 तक हथौड़ा चलाया।

भाजपा द्वारा वैध मतदाताओं के नाम काटने की साजिश

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में फार्म-7 विवाद

तमसा संकेत, सवांददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया है कि भाजपा कार्यकर्ता कई जिलों में समाजवादी पार्टी समर्थक मतदाताओं, विशेषकर मुस्लिम और पीडीए मतदाताओं, के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से अवैध रूप से हटाने की साजिश कर रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि औरैया, प्रयागराज, मऊ, मथुरा, सोनभद्र, फतेहपुर, बस्ती, वाराणसी, इटावा, झांसी, अलीगढ़, फर्रूखाबाद, मुरादाबाद, कानपुर, रामपुर सहित प्रदेश के कई जनपदों में लाखों की संख्या में फार्म-7 जमा किए गए हैं। समाजवादी पार्टी का आरोप है कि इन फार्म-7 में मतदाताओं के नाम और ई-पिक नंबर प्रिंट कर बीएलओ और ईआरओ पर दबाव बनाया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि कई पोलिंग बूथों पर फर्जी हस्ताक्षर के साथ फार्म-7 जमा किए गए हैं। विशेष रूप से औरैया, प्रयागराज, मऊ, मथुरा, सोनभद्र, हरदोई, बस्ती, वाराणसी और कानपुर में दर्जनों पोलिंग बूथों पर यह घटनाएं सामने आई हैं। सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से सभी फार्म-7 को तत्काल निरस्त करने, फर्जी हस्ताक्षर करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सुनवाई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676